भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में, 14 सितंबर से 29 सितंबर, 2025 तक "*राजभाषा पखवाड़ा*" समारोह का आयोजन किया गया

- भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो में, 14 सितंबर से 29 सितंबर, 2025 तक "*राजभाषा पखवाड़ा*" समारोह का आयोजन किया।
- ब्यूरो में, 17 सितंबर, 2025 को "*राजभाषा पखवाड़ा*" समारोह कार्यक्रम का उदघाटन ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील; विभागाध्यक्षों, डॉ. टी. वेंकटेशन, विभागाध्यक्ष, जी. आर.विभाग एवं डॉ. सुनील जोशी, विभागाध्यक्ष, जी.सी.सी.विभाग; वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री जे. मैथ्यू और वित्त एवं लेखा अधिकारी, श्रीमती सुमा एस., ने दीप प्रज्जवलित करके किया।
- माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान तथा भा.कृ.अनु.प. के माननीय महानिदेशक, डॉ. एम. एल. जाट के सन्देश एवं अपील को प्रतिभागियों के समक्ष ब्यूरो की सहायक, श्रीमती नाज़िआ अंजुम ने पढ़कर सुनाया।
- तदोपरांत चित्र देखकर संबंधित महापुरुष/स्थान/एतिहासिक क्षण या स्थान के बारे में अभिव्यक्ति व्यक्त करना, प्रतियोगिता में ब्यूरो के समस्त कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा के साथ-साथ सभी भारतीय भाषाओं का एक समान सम्मान और अपने दैनिक बोलचाल में व्यापक रूप से प्रयोग करना चाहिए। निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने कार्यालयीन प्रयोग में राजभाषा के कार्यान्वयन के अनुपालन पर जोर दिया और कहा कि सरकारी काम-काज में राजभाषा हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए।

- **ब्यूरो में, 19 सितंबर, 2025 को तात्कालिक संवाद/भाषण एवं वाक्य बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया**

तात्कालिक संवाद/भाषण एवं वाक्य बनाने की प्रतियोगिता में ब्यूरो के सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

GUEST HOUSE
राजभाषा पखवाड़ा
14 से 29 सितंबर 2025

- **ब्यूरो में, 22 सितंबर, 2025 को हिन्दी मुहावरे को अभिव्यक्ति व्यक्त करना संबंधित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया**

हिन्दी मुहावरे को अभिव्यक्ति व्यक्त करना संबंधित प्रतियोगिता में ब्यूरो के सभी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

- **ब्यूरो में, 24 सितंबर, 2025 को "विकसित भारत @2047 में कृषि अनुसंधान की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय "राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी" का आयोजन किया गया**

ब्यूरो में, 24 सितंबर, 2025 को "विकसित भारत @2047 में कृषि अनुसंधान की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय "राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी" का उदघाटन ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने दीप प्रज्जवलित करके किया। "राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी" में बेंगलुरु स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के संस्थानों और संस्थानों के क्षेत्रीय केंद्रों जैसेकि राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान (NIVEDI), राष्ट्रीय पशु पोषण और शारीरिकी संस्थान (NIANP), भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (IIHR), भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान-(IVRI), केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र (CIFA), केन्द्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र (CIFRI), राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र (NISST), राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो (NBSS&LUP)

और ब्यूरो के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में प्रवक्ताओं के रूप में ऑनलाइन माध्यम से डॉ. एस. के. सोम (पूर्व विभागाध्यक्ष आई.सी.एम. विभाग एवं प्रभारी संयुक्त निदेशक, नार्म, हैदराबाद; विषय:- "राष्ट्र विकास हेतु कृषि अनुसंधान एवं उद्यमिता का समायोजन"; डॉ. अरविन्द कुमार अहलावत, प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, फाजिल्का, पंजाब; विषय:- "स्वास्थ्य मृदा, स्वास्थ्य किसान : प्राकृतिक खेती एवं अनुसंधान का योगदान"; डॉ. फूल कुमारी, प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, दीमापुर आई सी ए आर रिसर्च कॉम्प्लेक्स फॉर एन ईएच रीजन, नागालैंड केंद्र मेडजीफेमा, नागालैंड; विषय:- टेक्नोलॉजी आधारित नवाचारों में कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका तथा ऑफलाइन (सभागार में); डॉ. सुनील जोशी (विभागाध्यक्ष, जी.सी.सी.विभाग, एन.बी.ए.आई.आर., बेंगलूरु; विषय:-"कीटों की कहानी चित्रकारों की जुबानी"; डॉ. आर. बी. तिवारी , प्रधान वैज्ञानिक, आई.आई.एच.आर., बेंगलूरु, विषय:- देश में बढ़ती जनसंख्या हेतु खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी की भूमिका; डॉ. ए. के. नायर, प्रधान वैज्ञानिक, आई.आई.एच.आर., बेंगलूरु, विषय:-बागवानी फसलों में रिजनरेटिव फार्मिंग (नवजीवी खेती) की उपयोगिता एक परिचय और डॉ. बी. पी. श्रीनिवास, प्रधान वैज्ञानिक, आई.वी.आर.आई., बेंगलूरु, विषय:- पशुरोग नियंत्रण और उन्मूलन में आई.वी.आर.आई. का योगदान विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये। इसके अतिरिक्त इस राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में प्रोफेसर (डॉ.) शोराज सिंह, आर एस एम कॉलेज, धामपुर, बिजनौर, उत्तर प्रदेश एवं डॉ नरेंद्र सिंह पंवार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एन बी पी जी आर के क्षेत्रीय केंद्र, रांची, झारखंड भी ऑनलाइन शामिल हुए। का योगदान विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये। सभी प्रतिभागियों को निदेशक महोदय द्वारा प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी

राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी

राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी

- **ब्यूरो में, 29 सितंबर, 2025 को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया**

ब्यूरो में, 29 सितंबर, 2025 को" राजभाषा पखवाड़ा "आयोजन के तत्वाधान में एक कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कवि सम्मेलन का उदघाटन ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ .एस .एन .सुशील, ब्यूरो की संस्थान प्रबंधन समिति के सदस्य, श्री पुट्टा स्वामी गौड़ा और आमंत्रित कविगणों ने दीप प्रज्जवलित करके किया। कवि सम्मेलन में डॉ .भक्त सच्चिदानंद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश; श्री ज्ञानचंद मर्मज्ञ, साहित्य साधक मंच बेंगलूरु के संस्थापक, साहित्यकार, लेखक एवं कवि; श्रीमती नर्मदा कुमारी, कार्यालय सी ए जी, प्रधान महालेखाकार, बेंगलूरु; श्री राजभवन, सी.एम.टी.आई., तुमकुर रोड, बेंगलूरु; श्री लोकेश मिश्र, उप मुख्य टिकट निरीक्षक, रेलवे विभाग, बेंगलूरु ने अपनी-अपनी कविताओं से ब्यूरो में श्रोताओं को आनंद विभोर कर दिया।

कवि सम्मेलन

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025
राजभाषा पखवाड़ा

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025
राजभाषा पखवाड़ा

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

29 सितंबर 2025

राजभाषा पखवाड़ा

राजभाषा पखवाड़ा

कवि सम्मेलन

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

कवि सम्मेलन

कवि सम्मेलन

NBAIR

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

कवि सम्मेलन

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

कवि सम्मेलन

कवि सम्मेलन

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

कवि सम्मेलन
29 सितंबर 2025

राजभाषा पखवाड़ा
14 से 29 सितंबर 2025
भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो
ICAR - NATIONAL BUREAU OF AGRICULTURAL INSECT RESOURCES

राजभाषा पखवाड़ा

राजभाषा पखवाड़ा

राजभाषा पखवाड़ा

राजभाषा पखवाड़ा

कवि सम्मेलन
राजभाषा पखवाड़ा

राजभाषा पखवाड़ा

राजभाषा पखवाड़ा

राजभाषा पखवाड़ा

14 से 29
भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्री
ICAR - NATIONAL BUREAU OF
P. B. No. 2491, H. A. Farm Post,

कवि सम्मेलन
राजभाषा पखवाड़ा

कवि सम्मेलन
राजभाषा पखवाड़ा

कवि सम्मेलन
राजभाषा पखवाड़ा